बढ़ी कमाई | जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज, अयोध्या, बनारस और मथुरा पर्यटन से हुए मालामाल

धार्मिक पर्यटन से बढ़ा यूपी सरकार का खजाना

■ अजित खरे

लखनऊ। यूपी में धार्मिक पर्यटन व होटल-रेस्टोरेंट से यूपी का जीएसटी खजाना लगातार बढ़ रहा है। महाकुम्भ के बाद करोड़ों श्रद्धालुओं के जरिए जिले को कितना फायदा हुआ यह तो पता करने में वक्त लगेगा। पर प्रयागराज पहले से जीएसटी में अव्वल है। वाराणसी, मथुरा, अयोध्या, चित्रकूट जैसे धार्मिक आध्यात्मिक शहर भी खूब कमाई कर रहे हैं और इससे इन जिलों की जीडीपी भी मजबूत हो रही है।

यूपी की हाल में जारी जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट 2022-23 के मुताबिक वाराणसी पर्यटकों की आमद में सबसे आगे है तो प्रयागराज ने सबसे ज्यादा खजाना भरा है। प्रयागराज में वर्ष 2019-20 में जीएसटी संग्रह के रूप में 9998.19 लाख रुपये आए थे। वर्ष 2022-23 में यह धनराशि बढ़कर 10668.64 लाख रुपये हो गई पूरे राज्य की इस मद में आय 33079.46 करोड़ रुपये हो गई। प्रयागराज आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों का आंकड़ा 26047166 है। वाराणसी में सर्वाधिक 71701816 पर्यटक आए।

33 हजार करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी संग्रह यूपी का हुआ

कोचिंग से नोएडा, अस्पताल से लखनऊ बन रहा समृद्ध

कोचिंग संस्थानों से जीएसटी आमदनी में नोएडा 8431.91 लाख के साथ सबसे आगे है। प्रयागराज ने 665.94 लाख, लखनऊ 5101.78 लाख खजाने में दिए हैं। अस्पतालों, मेडिकल स्टोर से सर्वाधिक कमाई 88196.79 लाख की कमाई लखनऊ ने की।

होटल, रेस्तरां से जीएसटी संग्रह (लाख रुपये में)

प्रमुख जिले	2021-22	2022-23
प्रयागराज	9932.28	10668.64
मथुरा	249.14	350.54
वाराणसी	468.23	1145.08
अयोध्या	56.91	66.2
लखनऊ	1599.66	2925.72
आगरा	1048.08	1545.90
गौतमबुद्धनगर	3355.99	5821.50
गोरखपुर	232.42	458.96